International Journal of Engineering Research & Management Technology
ISSN: 2348-4039
September-October-2023 Volume 10, Issue-5
Email: editor@ijermt.org www.ijermt.org

एकीकृत शिक्षा–छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक

Mrs.Sandhya Upadhyaya

, Assistant Professor, Department of Education,

Maa Rewti College of Education, Jabalpur (MP)

सार

एकीकृत शिक्षा, जो विभिन्न विषयों के आपसी संबंध और समग्र विकास पर जोर देती है, आधुनिक शैक्षिक प्रणालियों में एक महत्वपूर्ण पहल बनी है। यह शोध पत्र छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने में एकीकृत शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करता है, जो मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक, और शारीरिक पहलों को समावेशी ढंग से समझाती है। रांची जिले के विद्यालयों को शामिल करते हुए, यह अध्ययन 300 प्रतिभागियों से डेटा एकत्र करने के लिए एक सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग करता है, जिसमें जवाहर विद्या मंदिर स्कूल के छात्र, शिक्षक, और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं। अध्ययन के फिंडिंग्स में यह उजागर करता है कि एकीकृत शिक्षा अन्यविद्याओं के सीमांतर अध्ययन को प्रोत्साहित करके मानसिक विकास को समर्थित करती है, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सामाजिक कौशलों को बढ़ाती है, और शारीरिक भलाई को प्रोत्साहित करती है। अध्ययन ने इसके अंदर लागू करने में आने वाली चुनौतियों की पहचान की है और इन बाधाओं को पार करने के लिए रणनीतियाँ प्रस्तुत की हैं। इसे अनुभवशास्त्रीय साक्षात्कार और गुणस्तरीय दृष्टिकोण से प्रस्तुत करके, यह पेपर एकीकृत शिक्षा की महत्वपूर्णता को प्रकट करता है जो समग्र व्यक्तियों का विकास करने में महत्वपूर्ण है, जो आधुनिक जीवन की जटिलताओं को संभालने के लिए सक्षम हों। शोध नीति और प्रैक्टिस के लिए सिफारिशों के साथ समाप्त होता है, जिसमें शिक्षात्मक नीति और अभ्यास की आवश्यकता को जोर दिया गया है, एकीकृत शिक्षा को समग्र छात्र विकास को प्राप्त करने के लिए।

कीवर्ड: एकीकृत शिक्षा, आधुनिक शैक्षिक प्रणाली, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सामाजिक कौशल

परिचय

एकीकृत शिक्षा, एक शैक्षिक दृष्टिकोण है जो विभिन्न विषयों के आपसी संबंध और समग्र विकास पर जोर देती है, आधुनिक शैक्षणिक प्रणालियों में एक महत्वपूर्ण आदर्श मानी जाती है। पारंपरिक शिक्षा के विपरीत, जो अक्सर विषयों को खंडित करती है और मुख्य रूप से शैक्षिक उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करती है, एकीकृत शिक्षा एक ऐसी अधिक संगठित अधिगम अनुभव प्रदान करने का प्रयास करती है जो मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक, और शारीरिक विकास को समावेशी ढंग से संबोधित करता है। यह समग्र दृष्टिकोण छात्रों को केवल शैक्षिक सफलता के लिए ही नहीं तैयार करता है बल्कि आधुनिक जीवन के विभिन्न चुनौतियों के लिए भी।

छात्रों में समग्र विकास की महत्वता को अधिकतम करना संभव नहीं है। एक तेजी से बदलती दुनिया में, जहां महत्वपूर्ण कौशल जैसे कि समालोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सहयोग, और अनुकूलता लगातार महत्वपूर्ण हो रहे हैं, एक शैक्षणिक ढांचा जो इन गुणों को पोषण देता है, अत्यधिक आवश्यक है। एकीकृत शिक्षा इन गुणों को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखती है विभिन्न विषयों के बीच अध्ययन को प्रोत्साहित करके, रचनात्मक समस्या का समाधान करने को प्रोत्साहित करके, और भावनात्मक और सामाजिक विकास को समर्थन देने के माध्यम से इन गुणों को बढ़ावा देने का प्रयास करती है।

यह पेपर छात्रों के समग्र विकास में एकीकृत शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने में मदद करता है। विधात्मक परिपेक्ष्य, व्यावहारिक कार्यान्वयन, और प्रमाणिक साक्ष्य की जांच करके, हम दिखाने का प्रयास करेंगे कि एकीकृत शिक्षा कैसे युवा अध्यायकों के समग्र विकास को समर्थन करती है। इसके अतिरिक्त, हम एकीकृत शिक्षा कार्यक्रम को लागू करने के संबंधित चुनौतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा करेंगे, इसके लाभों और संभावित सीमाओं की एक सूक्ष्म अवधारणा प्रदान करते हुए।

हमारे इस अन्वेषण से, हम एकीकृत शिक्षा के परिवर्तक संभावनात्मक क्षमता को उजागर करने का उद्देश्य रखते हैं जो समग्र व्यक्तियों को आकार देने में सक्षम होती है जो अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए संस्कृत बने होते हैं। जैसे ही हम एकीकृत शिक्षा के विभिन्न घटकों और प्रभावों में प्रवेश करते हैं, हम इसके महत्व को बल देते हैं एक सम्मिलित, अनुकूल, और प्रतिकूल शैक्षणिक मंच को बढ़ावा देने के रूप में।

❖ एकीकृत शिक्षा की परिभाषा और संदर्भ

एकीकृत शिक्षा एक दृष्टिकोण है जो विभिन्न विषयों और अधिगम अनुभवों को एक संगठित पाठ्यक्रम में एकत्र करता है। पारंपरिक शिक्षा के विपरीत, जो अक्सर विषयों को अलग–अलग करती है, एकीकृत शिक्षा विभिन्न विषयों के बीच संबंधों और वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों पर जोर देती है। इस विधि का उद्देश्य छात्रों को ज्ञान के समग्र बोध के साथ प्रदान करना होता है, जिससे उनमें संबंधों को देखने और विभिन्न संदर्भों में अपने अधिगम को लागू करने की क्षमता विकसित हो।

आधुनिक शिक्षा में, एकीकृत शिक्षा छात्रों की बहुपहली आवश्यकताओं को पूरा करने की संभावना के कारण महत्वपूर्ण हो गई है। पारंपरिक मॉडल जो शैक्षिक उपलब्धियों और मानकीकृत परीक्षण पर केंद्रित है, अब अधिकतर माना जाता है कि वह छात्रों को आधुनिक जटिलताओं के लिए तैयार करने के लिए पर्याप्त नहीं है। एकीकृत शिक्षा अन्तर्विषयी अध्ययन, समालोचनात्मक सोच, और समस्या समाधान कौशलों को बढ़ावा देती है।

यह छात्रों के मानसिक विकास को समर्थन देती है जिसे विभिन्न विषयों के बीच सूक्ष्मित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। भावनात्मक रूप से, यह सामाजिक और भावनात्मक अधिगम को शामिल करके सहानुभूति और आत्म–जागरूकता को बढ़ावा देती है। सामाजिक रूप से, यह सहयोग और संचार कौशलों को बढ़ाती है, जो विभिन्न परिसरों में महत्वपूर्ण

हैं। शारीरिक रूप से, यह स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा को शामिल करती है, जिससे समग्र विकास में शारीरिक भलाई के महत्व को स्वीकार किया जाता है।

यह दृष्टिकोण सम्मिलित और अनुकूल शैक्षणिक अभ्यासों के साथ संगत होता है, जो विभिन्न शैक्षणिक शैलियों और आवश्यकताओं को समझता है, और छात्रों को एक वैश्विकृत दुनिया के लिए तैयार करता है। एकीकृत शिक्षा समग्र व्यक्तियों को विकसित करने के लिए आवश्यक है जो तेजी से बदलते समाज में नेविगेट कर सकते हैं और योगदान कर सकते हैं।

❖ समग्र विकास का महत्व

समग्र विकास, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक, और शारीरिक पहलुओं को समावेशित करना, एक अत्यधिक जटिल दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सक्षम समग्र व्यक्तियों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। पारंपरिक शिक्षा मॉडलों के विपरीत, जो मुख्य रूप से शैक्षिक उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, समग्र विकास छात्रों की सम्पूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करता है, जिससे उन्हें विभिन्न जीवनीय चुनौतियों के लिए तैयार किया जाता है।

- **मानसिक विकासः** मानसिक विकास महत्वपूर्ण है जो क्रिटिकल थिंकिंग, समस्या समाधान कौशल, और बौद्धिक उत्साह को विकसित करने के लिए अत्यधिक आवश्यक होता है। यह छात्रों को विभिन्न विषयों के बीच ज्ञान को सम्मिलित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा मिलता है। मानसिक क्षमताओं को बढ़ाकर, समग्र शिक्षा छात्रों को विभिन्न और तेजी से बदलते परिवेशों में संचालन करने और अनुकूलित करने के लिए तैयार करती है।
- **भावनात्मक विकासः** भावनात्मक विकास अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है जो स्व–जागरूकता, भावनात्मक नियंत्रण, और प्रतिकूलता को बनाए रखने के लिए आवश्यक होता है। यह छात्रों को उनकी भावनाओं को समझने और व्यवस्थित करने में मदद करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य और भलाई में सुधार होता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता, समग्र शिक्षा के माध्यम से पोषित की जाने वाली, छात्रों को दूसरों के साथ समानुभूति करने और मानवीय संबंध बनाने में सक्षम बनाती है, जो व्यक्तिगत और पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक हैं।
- **सामाजिक विकासः** सामाजिक विकास में संचार, सहयोग, और व्यक्तिगत कौशलों को विकसित करना शामिल होता है। इससे छात्रों को समूह में प्रभावी रूप से काम करने, विभिन्न दृष्टिकोणों की सराहना करने, और संवादात्मक रूप से विवादों को सुलझाने की तैयारी होती है। सामाजिक क्षमताओं को बढ़ाने के द्वारा, समग्र शिक्षा छात्रों को अपने समुदाय में सकारात्मक योगदान देने के लिए समर्थ बनाती है और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न करती है।
- **शारीरिक विकासः** शारीरिक विकास समग्र स्वास्थ्य और भलाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। शारीरिक शिक्षा को शामिल करना और स्वस्थ जीवनशैली के चयन को प्रोत्साहित करना छात्रों को शारीरिक फिटनेस, समन्वय,

और सहनशक्ति विकसित करने में मदद करता है। शारीरिक भलाई मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को समर्थन देती है, जिससे छात्रों की विद्यालयिक और सामाजिक दक्षता में सुधार होता है।

साहित्य की समीक्षा

दास, डी. (2016) शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चे के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। समग्र विकास का मतलब होता है मानसिक, शारीरिक, नैतिक, आध्यात्मिक, भावनात्मक, सामाजिक और सौंस्थापनात्मक विकास। इस शिक्षा के मुख्य उद्देश्य को पूरा करने के लिए, पाठ्यक्रम, सिलेबस और उससे परे सहकारी गतिविधियों के बीच एक संतुलन स्थापित करने की मुख्य आवश्यकता है। सहकारी गतिविधियाँ वे होती हैं जो पाठ्यक्रमीय गतिविधियों के साथ–साथ की जाती हैं। छात्र के समग्र विकास को पूरा करने के लिए, पाठ्यक्रम को सहकारी गतिविधियों या अतिरिक्त–पाठ्यक्रमीय गतिविधियों के साथ सम्मिलित किया जाना चाहिए। इन गतिविधियों से शिक्षा के उद्देश्यों और लक्ष्यों का अवलंबन स्थापित होता है और शारीरिक, मानसिक, नैतिक, शैक्षिक, नागरिक, सामाजिक, सौंस्थापनात्मक, सांस्कृतिक, मनोरंजनात्मक और अनुशासनात्मक मूल्यों का विकास होता है। इसलिए, वर्तमान अध्ययन गुवाहाटी के हाई स्कूल स्तर के छात्रों में समग्र विकास लाने में सहकारी गतिविधियों के योगदान को दर्शाने के लिए किया गया है। अध्ययन इसके उद्देश्यों को प्राप्त करने में उपयुक्त है। उच्च विद्यालयों से नमूना डेटा के संग्रह के बाद, डेटा को विश्लेषित किया गया है और पाया गया है कि सहकारी गतिविधियाँ छात्र के प्रत्येक पहलू में विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अध्ययन दिखाता है कि स्कूलों में आयोजित विभिन्न प्रकार की सहकारी गतिविधियाँ छात्रों के व्यक्तित्व को विकसित करने में मदद करती हैं। ये गतिविधियाँ छात्रों को नेतृत्व प्रशिक्षण, रचनात्मक क्षमता, सम्मिलन की भावना, निर्णय लेने की क्षमता आदि प्रदान करती हैं। एकता, सहयोग और समन्वय आदि कुछ गुण हैं, जो इन गतिविधियों के अभ्यास से छात्रों में विकसित होते हैं। ये गतिविधियाँ छात्रों को शैक्षिक अधिगम की ओर प्रेरित करती हैं और इस प्रक्रिया को प्रभावी बनाती हैं। इसलिए, एक छात्र के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए, स्कूलों में इन सहकारी गतिविधियों का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है। ये छात्रों द्वारा प्राप्त सच्चे और व्यावहारिक अनुभव हैं। एक संबंधित सहकारी गतिविधि का आयोजन किया जाता है जो कक्षा कक्षा में पढ़ाई गई सामग्री से संबंधित होती है, तो सैद्धांतिक ज्ञान को बढ़ाने में अधिक हद तक मजबूत होता है।

कोमललक्ष्मी, जे. (2019) बच्चे को बढ़ावा मिलता है और वे उच्चतर शिक्षा या समाज में आगे बढ़ सकते हैं, लेकिन उनके हाथ में पास प्रमाणपत्र या योग्यता प्राप्त करने के बाद भी कोई कौशल या योग्यता प्राप्त नहीं होती। इससे नकारात्मक अध्यायन के परिणाम भी होते हैं। 1. धीमे अध्यायन करने वाले (बढ़ावा पाते) अगले उच्चतम मानक में बढ़ जाते हैं। 2. मध्यम छात्रों की संख्या ज्यादा होती है जब वे अगली उच्चतम कक्षाओं में बढ़ते हैं। 3. अच्छे अध्यायन करने वाले छात्रों को शिक्षक मध्यम ध्यान देते हैं। छात्र के लिए विश्व की वास्तविकता और चुनौतियों का सामना करना बहुत कठिन होता है, अमल में उस स्थिति से छात्रों को तनाव होता है और मानसिक रूप से प्रभावित नागरिकों को देता है। इस क्रियात्मक अनुसंधान पेपर में एक केएलएमएन स्वस्तिक मॉडल प्रस्तुत किया गया है, जिसे छात्रों के

अकादमिक प्रदर्शन और उनके संबंधित भावनात्मक विकास का विश्लेषण करने के बाद प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तावित मॉडल छात्र के प्रगति, सुधार और बेहतर समग्र विकास की गारंटी देता है।

करुणाकर, बी. (2019) शिक्षा को केवल व्यक्तियों के कौशल, योग्यता, ज्ञान और प्रवृत्ति के विकास में एक शक्तिशाली साधन माना जाता है, बल्कि गरीबी, असहिष्णुता और बेरोजगारी की समस्याओं के समाधान में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह स्थायी आर्थिक विकास के लिए मूल आधार रखती है। भारत में मौलिक सामान्य शिक्षा, शिक्षा में लैंगिक समानता और मौलिक आर्थिक विकास के क्षेत्र में काफी प्रगति की गई है। प्राथमिक शिक्षा छात्रों के अध्ययन और विकास के लिए नींव स्थापित करती है। इसे प्रारंभिक शिक्षा की शुरुआत से ही शिक्षा के अर्थ और महत्व को समझने में सहायक होती है। यह व्यक्तियों के सामाजिक और शैक्षिक विकास की ओर जाने के लिए एक संकेतक है। इस अनुसंधान पेपर का मुख्य उद्देश्य भारत में शिक्षा प्रणाली की समझ हासिल करना है, जिसमें प्राथमिक शिक्षा पर मुख्य जोर दिया गया है। राजस्थान, सिक्किम, बिहार, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, जम्मू और कश्मीर, मिजोरम, उत्तर प्रदेश और गुजरात राज्यों में वर्तमान स्थिति, हाल की पहलें और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखा गया है।

एरुकुल्ला (2021) एक देश के लिए व्यावस्थित और भविष्यवाणीपूर्ण शिक्षा नीति स्कूल और कॉलेज स्तर पर अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है क्योंकि शिक्षा आर्थिक और सामाजिक प्रगति की ओर ले जाती है। विभिन्न देश विभिन्न शिक्षा प्रणालियाँ अपनाते हैं, जो परंपरा और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए विभिन्न चरणों में शिक्षा प्रदान करते हैं, ताकि यह प्रभावी हो सके। हाल ही में भारत सरकार ने अपनी नई शिक्षा नीति की घोषणा की है जो डॉ. कस्तुरीरंगन, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कस्तुरीरंगन द्वारा अनुसंधान समिति की सिफारिशों पर आधारित है। इस पेपर में उच्च शिक्षा प्रणाली में घोषित विभिन्न नीतियों पर बल दिया गया है और उन्हें वर्तमान में अपनाए गए प्रणाली से तुलना की गई है। भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली पर नई शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न नवाचार और पूर्वानुमानित प्रभावों का विवरण और उनके लाभों पर चर्चा की गई है। अंत में, इसके उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत किए गए हैं।

अध्ययन का उद्देश्य

- रांची जिले के स्कूलों में समेकित शिक्षा प्रथाओं के प्रभाव को छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों की धाराओं का मूल्यांकन करना।
- छात्रों के मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक विकास पर समेकित शिक्षा के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- समेकित पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों के मुख्य घटकों की पहचान करना जो समग्र छात्र विकास में योगदान करते हैं।
- समेकित शिक्षा कार्यक्रम को लागू करने में स्कूलों के सामने आने वाली चुनौतियों और बाधाओं का विश्लेषण करना।

- समेकित शिक्षा के परिणामों पर आधारित तथ्यात्मक साक्ष्य और गुणस्तरीय दृष्टिकोण प्रदान करना, जो सर्वोत्तम प्रथाओं और नीति सिफारिशों के विकास में योगदान करता है।

कार्यप्रणाली

अध्ययन जावाहर विद्या मंदिर स्कूल में रांची जिले में आयोजित किया गया था, जो समेकित शिक्षा प्रथाओं के कार्यान्वयन के लिए प्रसिद्ध है, छात्रों के समग्र विकास पर समेकित शिक्षा के प्रभाव की जांच करने के लिए। प्रतिभागियों का चयन करने के लिए उद्देश्यशील नमूना मापदंडों का उपयोग किया गया, जिसमें स्कूल से छात्र, शिक्षक और प्रशासक शामिल थे। कुल नमूना आकार में 300 प्रतिभागी थे, जिनमें 200 छात्र और 100 शिक्षाकर्मीध्प्रशासक थे। एक सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया था, जिसमें प्रश्नावली का निर्माण किया गया था जो समेकित पाठ्यक्रम, शैक्षणिक रणनीतियों और छात्र विकास पर अनुभव और धारणाओं का मूल्यांकन करने के लिए डिजाइन किया गया था। सर्वेक्षण में लिकर्ट स्केल आइटम्स और खुले प्रश्न शामिल थे ताकि संचारशील और गुणस्तरीय डेटा इकट्ठा किया जा सके। डेटा संग्रह ऑनलाइन सर्वेक्षण और मुख–मुख साक्षात्कारों के माध्यम से किया गया था, नैतिक परिवेश को ध्यान में रखते हुए और प्रतिभागी की गोपनीयता को बनाए रखते हुए। डेटा विश्लेषण में सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं के लिए सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग किया गया और गुणस्तरीय अंतर्निहितों के लिए विषयात्मक विश्लेषण किया गया। सीमाओं में संभावित प्रतिक्रिया पक्षपात और नमूना आकार की प्रतिबंधन शामिल थी, जिन्हें सख्त सर्वेक्षण डिजाइन और प्रमाणीकरण प्रक्रियाओं द्वारा समाधान किया गया।

डेटा विश्लेषण

आप अपने समग्र शिक्षण अनुभव को बढ़ाने में एकीकृत पाठ्यक्रम को कितना प्रभावी पाते हैं?

तालिका 1 शिक्षण अनुभव को बढ़ाने में एकीकृत पाठ्यक्रम

कथन	संख्या	प्रतिशत
पूरी तरह असहमत	60	20%
असहमत	112	37.33%
तटस्थ	20	6.67%
सहमत	50	16.67%
पूरी तरह सहमत	58	19.33%
कुल	300	100.0

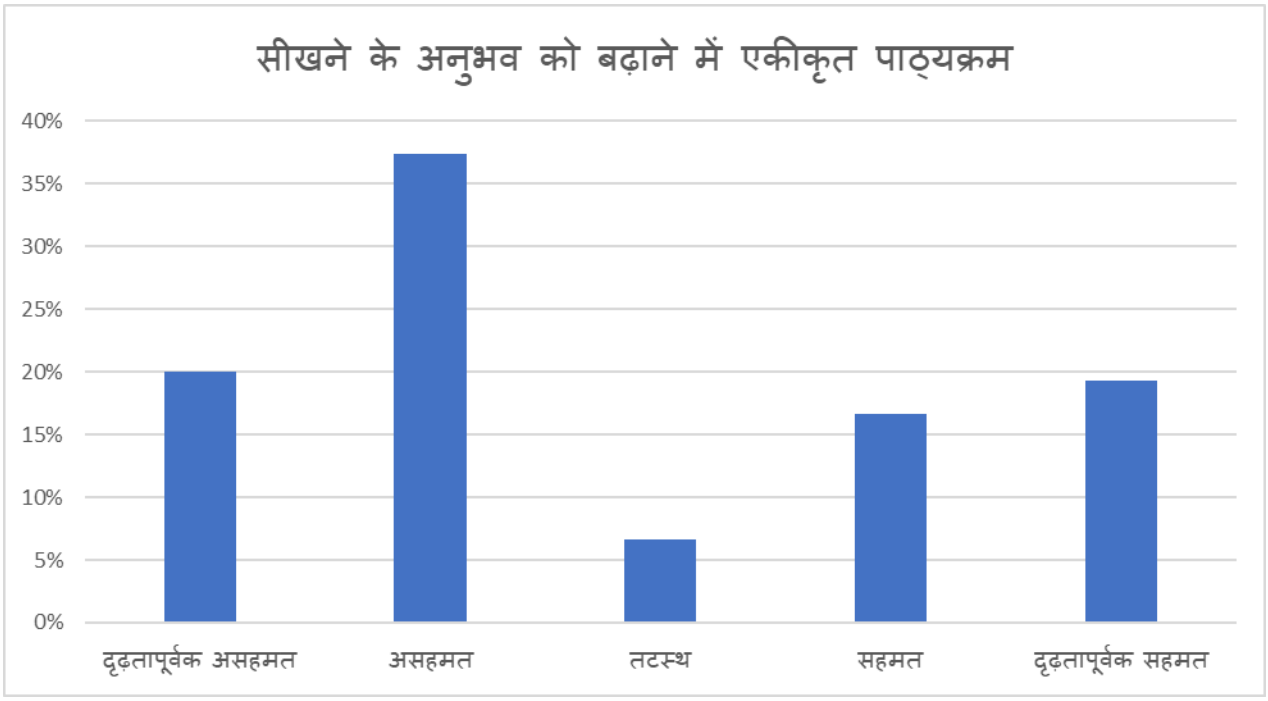

आकृति 1 शिक्षण अनुभव को बढ़ाने में एकीकृत पाठ्यक्रम

300 प्रतिभागियों से जुटे डेटा के आधार पर, बयान के प्रति प्रतिक्रिया विभिन्न थी। एक महत्वपूर्ण हिस्सा, जिसमें 20: प्रतिभागियों की शामिल थी, बयान के प्रति मजबूत विरोध था, जो इसके प्रतिष्ठान के खिलाफ स्पष्टता से इनकार करते हैं। इसके अतिरिक्त, 37.33: असहमति का अभिव्यक्ति करते हुए, बयान के दावों के प्रति संदेह या असहमति को और भी उजागर करते हैं। एक छोटा प्रतिशत, जिसमें 6.67: प्रतिभागी थे, निष्कर्ष का पक्षपात रखते हुए शेष रहे, जो इसका मतभेदित पक्ष था। दूसरी ओर, 16.67: बयान के साथ सहमत थे, जो किसी स्तर पर सहमति का प्रकट करते हैं, जबकि 19.33: मजबूत सहमति जताते हुए, बयान के दावों का मजबूत समर्थन करते हैं। ये फिंडिंग्स प्रतिभागियों के बीच विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याप्ति को प्रतिबिंबित करते हैं जो विषय पर विस्तार और समझने की आवश्यकता को दर्शाते हैं।

एकीकृत शिक्षा ने आपके सामाजिक कौशल, जैसे टीमवर्क और संचार को बेहतर बनाने में किस हद तक मदद की है?

तालिका 2 एकीकृत शिक्षा ने आपके सामाजिक कौशल को बेहतर बनाने में मदद की

कथन	संख्या	प्रतिशत
पूरी तरह असहमत	40	13.33%
असहमत	85	28.33%
तटस्थ	100	33.33%
सहमत	30	10%
पूरी तरह सहमत	45	15%

कुल	300	100.0

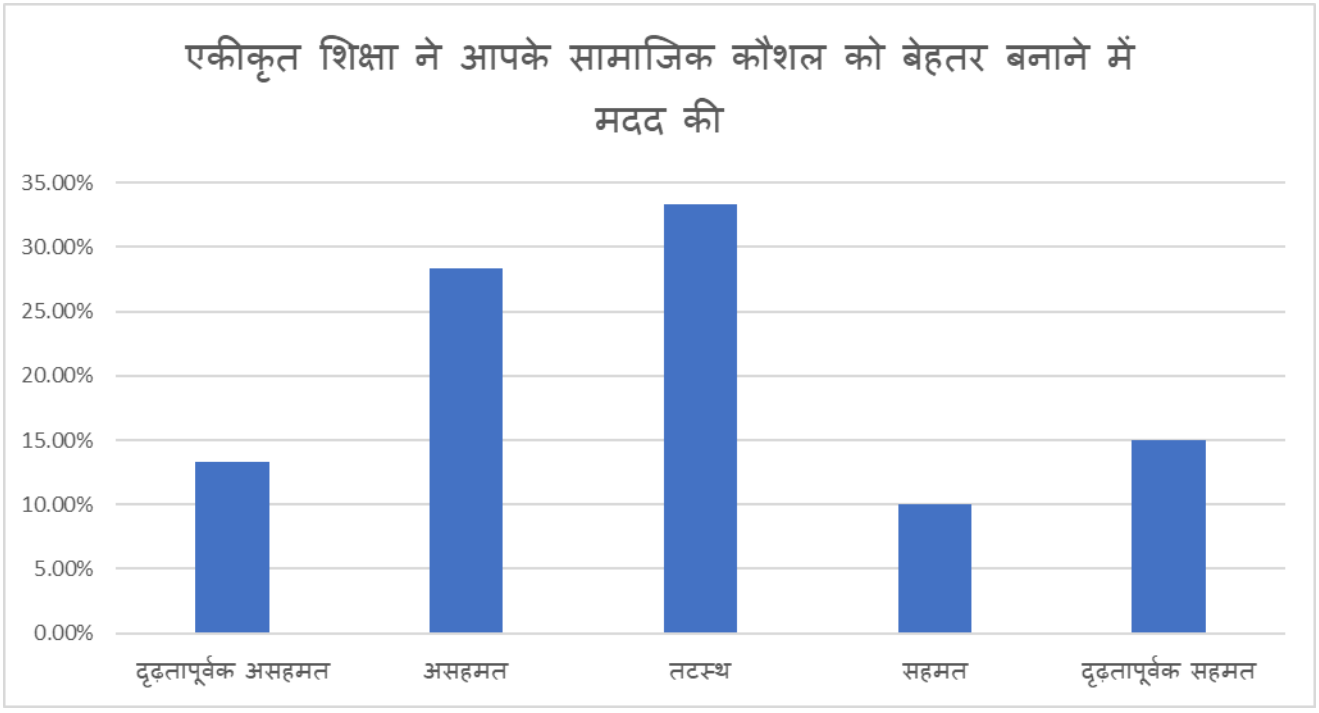

आकृति 2 एकीकृत शिक्षा ने आपके सामाजिक कौशल को बेहतर बनाने में मदद की

300 प्रतिभागियों से जुटे डेटा के आधार पर, बयान के संबंध में विभिन्न राय और दृष्टिकोण सामने आए। ध्याननीय हिस्सा, जिसमें 13.33: प्रतिभागियों की शामिल थी, बयान के प्रति मजबूत विरोध था, जो इसके सामग्री के खिलाफ स्पष्ट विरोध प्रकट करते हैं। इसके अतिरिक्त, 28.33: असहमति का अभिव्यक्ति करते हुए, बयान के दावों के प्रति संदेह या असहमति को और भी मजबूत करते हैं। सबसे बड़ा हिस्सा, जिसमें कुल 33.33: थे, तबादला रहे थे, जिससे स्पष्ट रूप से कोई मजबूत राय नहीं थी। उलट, 10: प्रतिभागियों ने बयान के साथ सहमति जताई, जो किसी स्तर पर समर्थन का प्रकट करते हैं, जबकि 15: मजबूत सहमति जताते हुए, बयान की सामग्री के मजबूत समर्थन करते हैं। ये फिंडिंग्स प्रतिभागियों के बीच विभिन्न दृष्टिकोणों की जटिलता को प्रतिबिंबित करते हैं, जो विषय के संबंध में एक विशिष्ट समझने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत प्रदान करते हैं। इन विभिन्न प्रतिक्रियाओं के पीछे रहे कारणों और संदर्भों की और अध्ययन महत्वपूर्ण अंतर्निहित समझने के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

एकीकृत शिक्षा दृष्टिकोण आपके भावनात्मक कल्याण और तनाव प्रबंधन का कितना अच्छा समर्थन करता है?

तालिका 3 एकीकृत शिक्षा दृष्टिकोण भावनात्मक कल्याण का समर्थन करता है।

कथन	संख्या	प्रतिशत
पूरी तरह असहमत	102	34%
असहमत	89	29.67%

तटस्थ	67	22.33%
सहमत	5	1.67%
पूरी तरह सहमत	37	12.33%
कुल	300	100.0

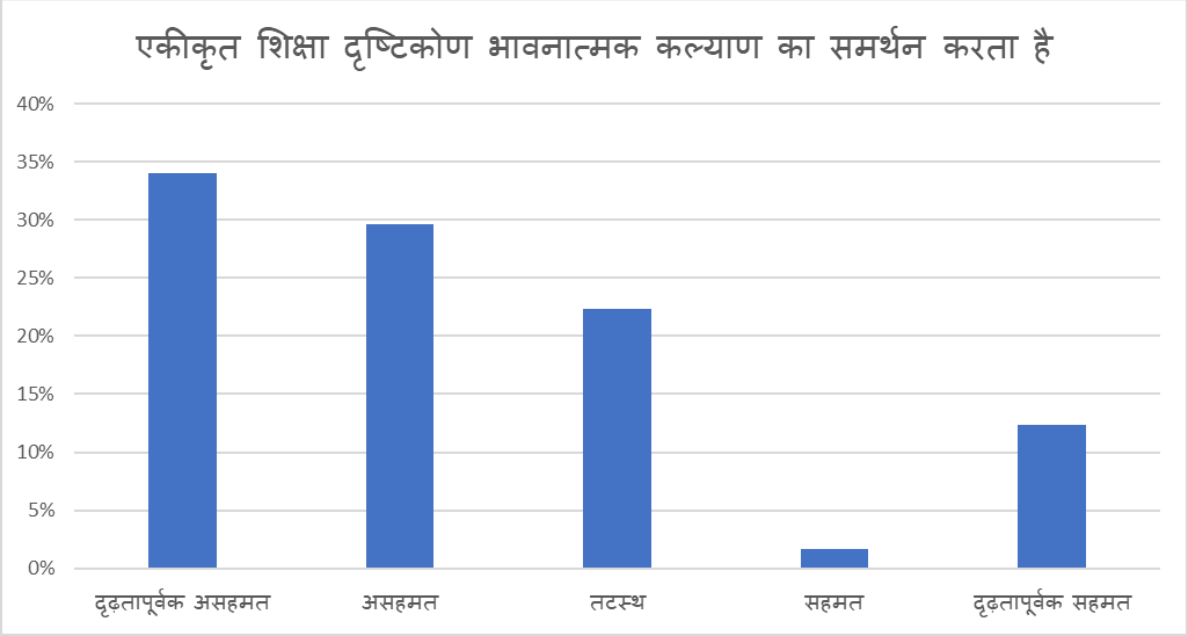

आकृति 3 एकीकृत शिक्षा दृष्टिकोण भावनात्मक कल्याण का समर्थन करता है।

300 प्रतिभागियों से जुटे डेटा के आधार पर, बयान के संबंध में विभिन्न दृष्टिकोण और राय स्पष्ट हैं। एक महत्वपूर्ण हिस्सा, जिसमें 34: प्रतिभागियों की शामिल थी, बयान के प्रति मजबूत विरोध था, जो इसके सामग्री के खिलाफ बड़ी विरोध दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, 29.67: असहमति का अभिव्यक्ति करते हुए, बयान के दावों के प्रति संदेह या भिन्न दृष्टिकोण को और भी प्रकट करते हैं। एक बड़ा अल्पसंख्यक, जिसमें कुल 22.33: थे, तबादला रहे थे, जिससे स्पष्ट रूप से कोई मजबूत राय नहीं थी। विपरीत, केवल 1.67: प्रतिभागियों ने बयान के साथ सहमति जताई, जो इसके दावों का न्यूनतम समर्थन प्रकट करते हैं। उसी तरह, 12.33: मजबूत सहमति जताते हुए, बयान की सामग्री के लिए मध्यम स्तर का समर्थन प्रदर्शित करते हैं। ये फिंडिंग्स प्रतिभागियों के बीच विभिन्न दृष्टिकोणों की विविधता को प्रतिबिंबित करते हैं, जो बयान के साथ सहमति और असहमति के भिन्न–भिन्न पक्षों की विभाजन को समझने में महत्वपूर्ण हैं। इन भिन्न दृष्टिकोणों के पीछे रहे कारणों के और अध्ययन में गहराई से जांच करना, विषय के चारों ओर जटिलताओं के संदर्भ में मूल्यवान अवलोकन प्रदान कर सकता है।

निष्कर्ष

समाप्ति में, एकीकृत शिक्षा समग्र छात्र विकास को पोषण करने में महत्वपूर्ण उपाय के रूप में उभरती है, जिसमें मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक, और शारीरिक पहलुओं को समावेशित किया गया है। जवाहर विद्या मंदिर स्कूल में की गई शोध इसकी प्रभावशीलता को प्रकट करती है, जो छात्रों के बीच अंतर्विषयक अध्ययन, महत्वपूर्ण सोचने, और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाने में सक्षम होती है। परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध और तकनीकी कठिनाइयों के बावजूद, एकीकृत शिक्षा छात्रों को आज की बहुआयामी दुनिया में नेविगेट करने के लिए अत्यंत मूल्यवान साबित होती है। इस अध्ययन में शिक्षात्मक नीतियों की समर्थन की आवश्यकता, शिक्षकों के लिए निरंतर पेशेवर विकास, और प्रभावी शिक्षण विधियों के अध्ययन की आगे की जांच को बल दिया गया है ताकि एकीकृत शिक्षा का प्रभाव वैश्विक रूप से अधिक बढ़ावा मिल सके। सहभागी सीखने के वातावरण को बढ़ावा देने और समग्र पाठ्यक्रम ढांचे को एकीकृत करके, स्कूल छात्रों को शैक्षिक, सामाजिक, और पेशेवर रूप से उन्नत होने के लिए बेहतर तैयार कर सकते हैं। आगे बढ़ते हुए, एकीकृत शिक्षा में निवेश जारी रखना महत्वपूर्ण होगा ताकि शैक्षिक प्रणालियाँ छात्रों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने और उन्हें भविष्य के चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार कर सकें।

संदर्भ

- दास, डी. (2016)। गुवाहाटी, भारत के विशेष संदर्भ में हाई स्कूल स्तर के छात्रों के सर्वांगीण विकास में सह–पाठयक्रम गतिविधियों की भूमिकारू एक अध्ययन। द क्लेरियन–इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल, 5(2), 75–81।
- कोमललक्ष्मी, जे. (2019)। शैक्षिक मनोविज्ञान पर आधारित छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए केएलएमएन स्वास्तिक मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 7(2)।
- करुणाकर, बी. (2019)। छात्रों का एकीकृत विकासरू तेलंगाना अनुसूचित जाति विकास विभाग। ज्ञानोदय–द जर्नल ऑफ प्रोग्रेसिव एजुकेशन, 12(2), 88–98।
- एरुकुल्ला, आर. नई शिक्षा प्रणाली 2021 के उद्देश्य और भारत को बदलना। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, 207।
- एक एचएक्स। 2023. विश्वविद्यालयों में डेटा इंटेलिजेंस के युग में मिश्रित ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षा के संगठन और प्रबंधन पर शोध। आर्थिक अनुसंधान गाइड, 14रू115–117।
- वांग क्यूआर। 2023. ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षा, संलयन खेती और शानदार उपलब्धियों के सहयोगी प्रयास। अनहुई शिक्षा अनुसंधान, 6रू98–100।
- डोंग एफ। 2022. व्यावसायिक शिक्षा में पाठ्यक्रम विचारधारा और राजनीति को एकीकृत करने के मार्ग पर शोध। आधुनिक वाणिज्य और व्यापार उद्योग, 43(12)रू162–163।
- यान जेएच। 2022. विश्वविद्यालयों में ष्तीन–सर्वांगीण शिक्षाष के व्यापक सुधार और विकास में समस्याएँ और प्रतिवाद। जर्नल ऑफ शेनयांग यूनिवर्सिटी (सोशल साइंस एडिशन), 24(03)रू302–308।

- एन जे। 2023. मिश्रित ऑनलाइन और ऑफलाइन सीखने के माध्यम से व्यावसायिक चीनी के पाठ्येतर पढ़ने को बढ़ावा देने की खोज। नई शिक्षा, 4रू85–86.
- लुआन एल. 2022. कोर साक्षरता के आधार पर हाई स्कूल ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षण का गहन एकीकरण। हीहेएजुकेशन,
- एडेलकुन, ओ. जे. (2011)। नाइजीरिया में मानव पूंजी विकास और आर्थिक विकास।यूरोपियन जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, 3(9), 29–38।
- अफेटी, जी. (2014)। औद्योगीकरण के लिए तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण। अफ्रीकी अनुसंधान और संसाधन मंच (एआरआरएफ), नैरोबी, केन्या।
- एलोस, एस. बी., कैरान्टो, एल. सी., और डेविड, जे. जे. टी. (2015)। बेंगुएट स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्र नर्सों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग साइंस, 5, (2), 60–65।
- रेड्डी, एम. आर. (2022)। शैक्षिक कार्यक्रमों में मानवीय मूल्यों का एकीकरण। शैक्षिक कार्यक्रमों में मानवीय मूल्यों का एकीकरण, 83(1), 3–14।
- संजीव, के., और कुमार, के. (2007)। भारत में समावेशी शिक्षा। समावेशी शिक्षा के लिए इलेक्ट्रॉनिक जर्नल, 2(2)।
- चरनिया, ए. (एड.)। (2022)। भारत में शिक्षा में प्रौद्योगिकी के लिए एकीकृत दृष्टिकोणरू कार्यान्वयन और प्रभाव। टेलर और फ्रांसिस।
- भूषण, एस. (2018)। उच्च शिक्षण संस्थानों में वैश्विक और स्थानीय रूप से संलग्न मूल्य–आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। इचवे, आईआईटी कानपुर (भारत)।